माघ मेला प्रयागराज-2024

वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर

दिनांक - 16 जनवरी से 15 फरवरी 2024

विगत वर्षों की भांति भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा माघमेला–2024 में वानिकी प्रसार हेतु प्रदर्शन एवं चेतना शिविर लगाया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य माघमेला में आने वाले आगन्तुकों के माध्यम से वानिकी को बढ़ाने हेतु जागरूक करना था। 31 दिवसीय (16 जनवरी 2024 से 15 फरवरी 2024 तक) प्रदर्शन शिविर का उद्घाटन केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दिनांक 19.01.2024 को केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाते हुए किया गया। प्रदर्शन शिविर में कृषिवानिकी वृक्षारोपण, भूमि सुधार एवं पर्यावरण संरक्षण की विभिन्न तकनीकों से लाभार्थियों को अवगत कराने हेतु एक प्रदर्शनी लगायी गयी। उद्घाटन समारोह के दौरान केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने उपस्थित गणमान्यों को सम्बोधित करते हुए बताया कि शिविर में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की उन्नत वानिकी तकनीकों का प्रदर्शन विभिन्न माध्यमों से किया जाएगा।

*प्रदर्शन शिविर में विभिन्न क्रियाकलापों के अंतर्गत वानिकी प्रसार हेतु दिनांक 02.02.2024 को नुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान के कलाकारों की प्रस्तुति **"परिवर्तन की पाठशाला"** का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश्य नाट्य मंचन के द्वारा सामान्य जन हेतु पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा पुनरुद्धार का सन्देश पहुँचाना था। पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा पुनरुद्धार कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. तेज बहादुर सिंह, सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश ने हरित आवरण बढ़ाने का आह्वान किया।*

युवाओं में पर्यावरण संरक्षण हेतु चेतना जागृत करने के उद्देश्य से दिनांक 06.02.2024 को स्नातक विद्यार्थियों के लिए क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

*शिविर के समापन समारोह में दिनांक 12.02.2024 को केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तक **"ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट–इन उत्तर प्रदेश"** का विमोचन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभागीय वन अधिकारी, प्रयागराज महावीर कौजलगी, भा.व.से. द्वारा किया गया। उन्होने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार वन क्षेत्र के अतिरिक्त उपलब्ध भूमि में वृक्षारोपण से हरित क्षेत्रफल बढ़ाने हेतु प्रयत्नशील है, जिसमें यह पुस्तक सहायक सिद्ध होगी।*

प्रदर्शन शिविर में प्रयागराज तथा समीपवर्ती जिलों/ग्रामों तथा देश के विभिन्न भागों से आये हुए दर्शनार्थियों को विभिन्न वृक्ष प्रजातियों यथा यूकेलिप्टस, पॉपलर, गम्हार, अगर, मीलिया, सागौन, आँवला आदि के साथ औषधीय पौधे यथा सतावर, कालमेघ, चित्रक, गुड़मार तथा बाँस की विभिन्न प्रजातियों के कृषिवानिकी मॉडलों तथा अवकृष्ट भूमि पर क्षेत्र के अनुसार उपयुक्त प्रजातियों के रोपण की जानकारी दी गयी तथा हिन्दी में उपलब्ध प्रसार सामग्री भी वितरित की गयी। प्रदर्शन शिविर में वानिकी प्रसार हेतु समय–समय पर आयोजित कार्यक्रमों में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, श्री आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कृषिवानिकी के माध्यम से विभिन्न प्रजातियों यथा पॉपलर, बाँस, अगर, मीलिया डूबिया, गम्हार, यूकेलिप्टस तथा विभिन्न औषधीय पौधों पर प्रकाश डाला गया। इसी क्रम में इन प्रजातियों को पर्यावरण सुधार एवं आय वृद्धि में महत्वपूर्ण बताया।

केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के निर्देशन में कार्यक्रम समन्वयक श्री आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक के कुशल नेतृत्व में प्रदर्शन शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। एक माह तक चलने वाले प्रदर्शन शिविर में केन्द्र के डॉ. सत्येन्द्र देव शुक्ला, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी अधिकारी, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार के साथ विभिन्न परियोजनाओं के शोधार्थियों का सहयोग था।

भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून)

I.C.F.R.E.-ECO REHABILITATION CENTRE

(Indian Council of Forestry Research and Education, Dehradun)

Quiz Competition

माघ मेला प्रयागराज-2024

प्रकृति
वैज्ञानिक-विद्यार्थी
संवाद
पर्यावरण जागरूकता
कार्यक्रम

माघ मेला प्रयागराज-2024

माघ मेला प्रयागराज-2024

माघ मेला प्रयागराज
वानिकी प्रसार एवं

माघ मेला प्रयागराज-2024
वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर
दिनांक - 16 जनवरी से 15 फरवरी 2024

माघ मेला प्रयागराज-2024
Bamboo for Flute

CFRE-ERC, PRAYAGRAJ
Nursery

पर्यावरण संरक्षण मुद्दों पर क्विज प्रतियोगिता में किया प्रतिभाग

अमृत प्रभात, प्रयागराज (नि.सं.)। वानिकी प्रसार हेतु पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा माघमेला क्षेत्र में चल रहे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर में युवाओं में पर्यावरण संरक्षण हेतु चेतना जागृत करने के उद्देश्य से स्नातक विद्यार्थियों के लिए क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा नगर के विभिन्न महाविद्यालयों से आये हुए छात्रों का स्वागत करते हुए प्रतियोगिता के उद्देश्य से अवगत कराया। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा प्रतियोगिता के नियमों से प्रतिभागी छात्रों को अवगत कराया गया। प्रतियोगिता में नगर के एस.एस. खन्ना महिला महाविद्यालय, प्रयागराज, वानिकी महाविद्यालय, शुआटस, नैनी, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय, नैनी, नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय, कोटवा, प्रयागराज से आए हुए विद्यार्थियों तथा पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के साथ कुल आठ टीमों के साथ प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता की विजयी टीमों में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज, एस. एस. खन्ना महिला महाविद्यालय तथा नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता को सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा विभिन्न संस्थानों से आए हुए विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया गया।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मंचन

प्रयागराज, हिन्दुस्तान संवाद। माघ मेला स्थित पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र के शिविर में शुक्रवार को अभिनय नाट्य संस्था की ओर से नाटक परिवर्तन की पाठशाला का मंचन किया गया। इस अवसर पर कलाकारों ने पर्यावरण संरक्षण और गंगा की निर्मलता के प्रति जागरूक किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने नुक्कड़ नाट्य संस्था के कलाकारों की सराहना की और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा सेवा आयोग के पूर्व संयुक्त निदेशक ने कहा कि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वैज्ञानिक

माघ मेला स्थित पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र के शिविर में शुक्रवार को अभिनय नाट्य संस्था की ओर से नाटक परिवर्तन की पाठशाला का मंचन किया गया।

डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दुबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अशोक, सुग्रीव यादव, राम कृष्ण पांडेय, एफएसडी, नरेन्द्र सिंह, शमशेर अली मौजूद रहे।

उर्ध्व नेत्र

नुक्कड़ नाटक के जरिए किया जागरूक

उर्ध्व नेत्र

प्रयागराज। वानिकी प्रसार हेतु भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा माघमेला क्षेत्र में एक माह तक चल रहे शिविर में नुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान के कलाकारों की प्रस्तुति **परिवर्तन की पाठशाला** का आयोजन शुक्रवार को किया।

नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश्य सामान्य जन हेतु पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा पुनरुद्धार का सन्देश नाट्य मंचन द्वारा था। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मेला क्षेत्र में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आने वाले आगन्तुकों एवं दर्शनार्थियों को वानिकी के प्रति जागरूक किया गया, जिसमें वन बढ़ाने के क्रम में सरकार द्वारा लगाए जा रहे वृक्षों की देखभाल करना तथा पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया गया। गंगा को प्रदूषित करने में मनुष्य की विभिन्न विपरीत गतिविधियों से अवगत कराया साथ ही इन गतिविधियों में बदलाव लाकर गंगा को स्वच्छ बनाने का आह्वान किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा नुक्कड़ नाट्य संस्था की प्रस्तुति हेतु सभी कलाकारों की सराहना किया गया साथ ही पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न बिन्दुओ पर चर्चा किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. तेज बहादुर सिंह, सेवा निवृत्त संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा वानिकी जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु लगातार प्रयासरत रहने का आह्वान किया गया तथा नुक्कड़ नाटक मंचन द्वारा प्रयास हेतु केन्द्र की सराहना किया गया। उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा माघमेला, प्रयागराज द्वारा बचाव ही हमारा कर्तव्य है के उद्देश्य को पूरा करने के क्रम में अग्निशमन कर्मियों द्वारा किसी माध्यम से लगने वाली आग से सुरक्षित रहने के लिए विभिन्न गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध करायी गयी साथ ही पर्यावरण सुधार में अग्निशमन को भी एक अंग बताया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा नुक्कड़ नाट्य कलाकारों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अशोक एवं अन्य कर्मचारी गण के साथ अग्निशमन विभाग के सुग्रीव यादव, टीम हेड, राम कृष्ण पाण्डेय, एफएसडी, नरेन्द्र सिंह, लीडिंग फायर मैन तथा समशेर अली, फायर मैन आदि उपस्थित रहे।

जागरूकता अभियान-पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा पुनरुद्धार

प्रयागराज। वानिकी प्रसार हेतु भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा माघमेला क्षेत्र में एक माह तक चल रहे शिविर में नुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान के कलाकारों की प्रस्तुति ङ'परिवर्तन की पाठशाला'ङ का आयोजन दिनांक 02.02.2024 को किया गया। नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश्य सामान्य जन हेतु पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा पुनरुद्धार का सन्देश नाट्य मंचन द्वारा था। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मेला क्षेत्र में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आने वाले आगन्तुकों एवं दर्शनार्थियों को वानिकी के प्रति जागरूक किया गया, जिसमें वन बढ़ाने के क्रम में सरकार द्वारा लगाए जा रहे वृक्षों की देखभाल करना तथा पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया गया। गंगा को प्रदूषित करने में मनुष्य की विभिन्न विपरीत गतिविधियों से अवगत कराया साथ ही इन गतिविधियों में बदलाव लाकर गंगा को स्वच्छ बनाने का आह्वान किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा नुक्कड़ नाट्य संस्था की प्रस्तुति हेतु सभी कलाकारों की सराहना किया गया साथ ही पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न बिन्दुओ पर चर्चा किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. तेज बहादुर सिंह, सेवा निवृत्त संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा वानिकी जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु लगातार प्रयासरत रहने का आह्वान किया गया तथा नुक्कड़ नाटक मंचन द्वारा प्रयास हेतु केन्द्र की सराहना किया गया। उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा माघमेला, प्रयागराज द्वारा बचाव ही हमारा कर्तव्य है के उद्देश्य को पूरा करने के क्रम में अग्निशमन कर्मियों द्वारा किसी माध्यम से लगने वाली आग से सुरक्षित रहने के लिए विभिन्न गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध करायी गयी साथ ही पर्यावरण सुधार में अग्निशमन को भी एक अंग बताया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा नुक्कड़ नाट्य कलाकारों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अशोक एवं अन्य कर्मचारी गण के साथ अग्निशमन विभाग के सुग्रीव यादव, टीम हेड, राम कृष्ण पाण्डेय, एफएसडी, नरेन्द्र सिंह, लीडिंग फायर मैन तथा समशेर अली, फायर मैन आदि उपस्थित थे।

क्विज प्रतियोगिता आयोजित

उर्ध्व नेत्र

प्रयागराज। वानिकी प्रसार हेतु भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा माघमेला क्षेत्र में चल रहे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर में युवाओं में पर्यावरण संरक्षण हेतु चेतना जागृत करने के उद्देश्य से बुधवार को स्नातक विद्यार्थियों के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा नगर के विभिन्न महाविद्यालयों से आये हुए छात्रों का स्वागत करते हुए प्रतियोगिता के उद्देश्य से अवगत कराया। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा प्रतियोगिता में नगर के एस.एस. खन्ना महिला महाविद्यालय, प्रयागराज, वानिकी महाविद्यालय, शुआटस, नैनी, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय, नैनी, नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय, कोटवा, प्रयागराज से आए हुए

विद्यार्थियों तथा भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के साथ कुल आठ टीमों के साथ प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता की विजयी टीमों में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज, एस. एस. खन्ना महिला महाविद्यालय तथा नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता को सम्पन्न कराया गया।

कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा विभिन्न संस्थानों से आए हुए विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों यथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डॉ. पंकज श्रीवास्तव, हेमवती नंदन बहुगुणा महाविद्यालय से मीनाक्षी राठौर, नेहरू ग्राम भारती से मुलायम सिंह पटेल तथा एस.एस. खन्ना महिला महाविद्यालय से सरिता एवं शबनम ने कार्यक्रम को सुशोभित किया। प्रतियोगिता में केन्द्र के तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता के साथ धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अम्बूज कुमार तथा अशोक कुमार तथा केन्द्र के अन्य शोध छात्र-छात्रा आदि उपस्थित रहे।

वानिकी प्रसार के लिए क्विज कांटेस्ट

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र बना विजेता

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (6 Feb): वानिकी प्रसार हेतु भाबाअशिप पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र द्वारा माघमेला क्षेत्र में चल रहे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर में युवाओं में पर्यावरण संरक्षण हेतु चेतना जागृत करने के उद्देश्य से मंगलवार को स्नातक विद्यार्थियों के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा नगर के विभिन्न महाविद्यालयों से आये हुए छात्रों का स्वागत करते हुए प्रतियोगिता के उद्देश्य से अवगत कराया गया.

यादव ने नियमों से प्रतिभागी छात्रों को अवगत कराया गया.

आठ टीमों ने लिया हिस्सा

एसएस खन्ना महिला महाविद्यालय, वानिकी महाविद्यालय, शुआटस, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय, नैनी, नेहरू ग्राम भारती कोटवा से आए छात्रों से कुल आठ टीमें बनायी गयी थीं. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, एसएस खन्ना महिला महाविद्यालय तथा नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया. वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया.

वानिकी प्रसार हेतु क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन

विद्रोही सामना संवाददाता

प्रयागराज। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा माघमेला क्षेत्र में चल रहे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर में युवाओं में पर्यावरण संरक्षण हेतु चेतना जागृत करने के उद्देश्य से स्नातक विद्यार्थियों के लिए क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा नगर के विभिन्न महाविद्यालयों से आये हुए छात्रों का स्वागत करते हुए प्रतियोगिता के उद्देश्य से अवगत कराया। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा प्रतियोगिता के नियमों से प्रतिभागी छात्रों को अवगत कराया गया। प्रतियोगिता में नगर के एस.एस. खन्ना महिला महाविद्यालय, प्रयागराज, वानिकी महाविद्यालय, शुआटस, नैनी, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय, नैनी, नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय, कोटवा, प्रयागराज से आए हुए विद्यार्थियों तथा भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के साथ कुल आठ टीमों के साथ प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता की विजयी टीमों में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज, एस. एस. खन्ना महिला महाविद्यालय तथा नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता को सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा विभिन्न संस्थानों से आए हुए विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों यथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डॉ. पंकज श्रीवास्तव, हेमवती नंदन बहुगुणा महाविद्यालय से मीनाक्षी राठौर, नेहरू ग्राम भारती से मुलायम सिंह पटेल तथा एस.एस. खन्ना महिला महाविद्यालय से सरिता एवं शबनम ने कार्यक्रम को सुशोभित किया। प्रतियोगिता में केन्द्र के तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता के साथ धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अम्बूज कुमार तथा अशोक कुमार तथा केन्द्र के अन्य शोध छात्र-छात्रा आदि उपस्थित थे।

माघ मेला के वानिकी प्रसार में क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज।। वानिकी प्रसार हेतु भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा माघ मेला क्षेत्र में चल रहे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर में युवाओं में पर्यावरण संरक्षण हेतु चेतना जागृत करने के उद्देश्य से मंगलवार को स्नातक विद्यार्थियों के लिए क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने नगर के विभिन्न महाविद्यालयों से आये छात्रों को प्रतियोगिता के उद्देश्य से अवगत कराया। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा प्रतियोगिता के नियमों से प्रतिभागी छात्रों को अवगत कराया गया। प्रतियोगिता में नगर के एस.एस. खन्ना महिला महाविद्यालय, प्रयागराज, वानिकी महाविद्यालय, शुआटस, नैनी, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय, नैनी, नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय, कोटवा से आए विद्यार्थियों तथा भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के साथ कुल आठ टीमों के साथ प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता की विजयी टीमों में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज, एस. एस. खन्ना महिला महाविद्यालय तथा नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने विभिन्न संस्थानों से आए विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया।

CITY BRIEFS

ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट पुस्तक का विमोचन

PRAYAGRAJ: पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र स्थित शिविर में चल रहे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर का सोमवार को समापन हो गया. समापन समारोह में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तक "ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट उन उत्तर प्रदेश" का विमोचन किया गया. इस पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रभागीय वन अधिकारी प्रयागराज, महावीर कौजलगी के द्वारा किया गया. अपने भाषण के दौरान उन्होंने बताया की केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार वन क्षेत्र के अतिरिक्त उपलब्ध भूमि में वृक्षारोपण से हरित क्षेत्रफल बढ़ाने हेतु प्रयत्नशील है. जिसमें यह पुस्तक सहायक सिद्ध होगी. इस पुस्तक को लिखने वाले वैज्ञानिकों में डॉ संजय सिंह, डॉ अनीता तोमर, आलोक यादव तथा डॉ अनुभा श्रीवास्तव के नाम शामिल है.

ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट पुस्तक का हुआ विमोचन

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से माघ मेला में चल रहे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर का समापन समारोह सोमवार को आयोजित किया गया। शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रभागीय वन अधिकारी महावीर कौजलगी, केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर के हाथों लिखी पुस्तक ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट का विमोचन कर किया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में राहुल निषाद, रूपम दास तथा राजदीप सरकार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय, चित्रकला में सोनम एवं स्वाती प्रिया को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं क्विज प्रतियोगी टीमों में वन अनसंधान केन्द्र, प्रयागराज, इविवि, एसएस खन्ना महाविद्यालय, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, प्रयागराज को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने दिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दूबे, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, अम्बुज कुमार, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

Release of Trees Out Side Forest book

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: Chief Guest at the closing ceremony of the Forestry Extension and Awareness Camp being run in the Maghamela area by the Ecological Restoration Centre, Prayagraj, Divisional Forest Officer, Prayagraj, Mahavir Kaujalgi, IAS released the book "Trees out side Forest in Uttar Pradesh" written by scientists of the Centre. He said in his speech that the Central and Uttar Pradesh governments are making efforts to increase the green area by planting trees in the available land in addition to the forest area, in which this book will be helpful. In the book, the authors Dr. Sanjay Singh, Dr. Anita Tomar, Alok Yadav and Dr. Anubha Srivastava gave information regarding nursery techniques, high quality planting material, plantation, economics and marketing of 34 tree species suitable for different agro-climatic zones of Uttar Pradesh. Is. Center head Dr. Sanjay Singh said that the Center tries to provide profitable options of tree species to the farmers and tree growers for a particular area. This book is a sequel to that. Planting trees on non-forest land will ensure economic benefits as well as environmental improvement. Senior scientist Dr. Anita Tomar gave information about suitable clones of poplar for Uttar Pradesh region. Senior scientist Alok Yadav highlighted the bamboo species suitable for Uttar Pradesh region and the establishment of agar trees in the area. The winners of various competitions organized in the camp were rewarded. The vote of thanks was given by senior scientist Dr. Anubha Srivastava. Senior scientist of the center Dr. Kumud Dubey, technical officers Ratan Gupta, Dharmendra Kumar and research students along with teachers and students of various colleges were present in the program.

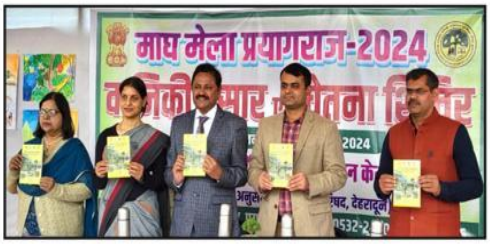

ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट पुस्तक का विमोचन

प्रयागराज। आज दिनांक 12.02.2024 को पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा माघमेला क्षेत्र में चल रहे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रभागीय वन अधिकारी, प्रयागराज, महावीर कौजलगी, भा.व.से., ने केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तक 'ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट इन उत्तर प्रदेश' का विमोचन किया। उन्होंने अपने संभाषण में बताया कि केन्द्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार वन क्षेत्र के अतिरिक्त उपलब्ध भूमि में वृक्षारोपण से हरित क्षेत्रफल बढ़ाने हेतु प्रयत्नशील है, जिसमें यह पुस्तक सहायक होगी। पुस्तक में लेखकगण डॉ. संजय सिंह, डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों हेतु उपयुक्त 34 वृक्ष प्रजातियों की नर्सरी तकनीकों उच्च गुणवत्ता की पौध सामग्री, पौधारोपण, आर्थिकी तथा विपणन सम्बन्धी जानकारी दी है। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि कृषकों और वृक्ष उत्पादकों को क्षेत्र विशेष हेतु वृक्ष प्रजातियों के लाभप्रद विकल्प उपलब्ध कराने का केन्द्र का प्रयास रहता है। यह पुस्तक उसी की एक कड़ी है। गैर वन भूमि पर वृक्षारोपण होने से आर्थिक लाभ के साथ-साथ पर्यावरण सुधार भी सुनिश्चित होगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा उत्तर प्रदेश क्षेत्र के लिए पॉपलर के उपयुक्त क्लोनो की जानकारी दी गयी। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा उत्तर प्रदेश धर्मेन्द्र कुमार तथा शोध छात्र-छात्राओं के साथ विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकगण तथा विद्यार्थी आदि उपस्थित थे।

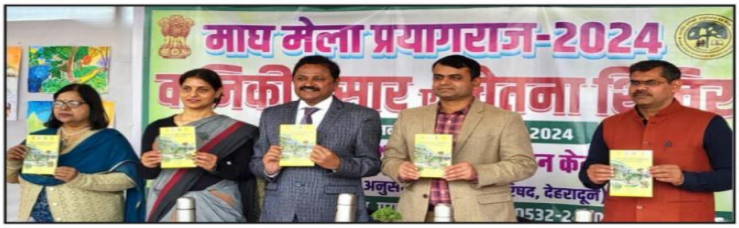

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)

न्यायालय अपर प्रधान पारिवारिक न्यायाधीश, कक्ष सं0-2 इलाहाबाद।
भरण पोषण वाद सं0- 244 सन् 2023
श्रीमती अन्तिमा यादव उम्र लगभग 23 वर्ष पत्नी मनोज कुमार यादव पुत्री श्री श्याम लाल यादव वर्तमान निवासिनी-ग्राम मुनव्वर पुर पोस्ट मिण्डारा, थाना-नवाबगंज, जनपद-प्रयागराज।

...प्रार्थिनी

बनाम

मनोज कुमार यादव उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्र श्री मैंकू लाल यादव, निवासी-पूरे घासी पोस्ट आनापुर, थाना-नवाबगंज, प्रयागराज।

.....विपक्षी